

प्रेषक,

श्याम सिंह  
अनुसचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
पर्यटन निदेशालय,  
देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 25 मार्च, 2011

विषय:-वित्तीय वर्ष 2010-11 में पर्यटन विकास की चालू निर्माण कार्यो हेतु अवमुक्त धनराशि  
₹ 875.00 लाख सम्बन्धी शासनादेश संख्या-108/VI(1)/2011-02(27)2010, दिनांक  
05 फरवरी, 2011 का संशोधन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-108/VI(1)/2011-02(27)2010, दिनांक 05 फरवरी, 2011 द्वारा अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-04-राज्य सैक्टर-47-पर्यटन विकास की चालू योजनायें-24-वृहत् निर्माण कार्य की मद में ₹ 875.00 लाख की धनराशि अवमुक्त की गयी। जबकि उक्त ₹ 875.00 लाख में से ₹ 125.00 लाख की धनराशि 24-वृहद निर्माण कार्य की संगत मद में तथा ₹ 750.00 लाख की धनराशि अनुपूरक द्वारा प्राप्त अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूँजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-04-राज्य सैक्टर-47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय की मद में प्राविधानित थी।

2- अतः तत्सम्बन्धी आपके पत्र संख्या-652/2-6-68/2010-11, दिनांक 18 मार्च, 2011 के संदर्भ में उपरोक्त उल्लिखित शासनादेश संख्या-108/VI(1)/2011-02(27)2010, दिनांक 05 फरवरी, 2011 के प्रस्तर-01 में संशोधन करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि अवमुक्त की गयी ₹ 875.00 लाख की धनराशि में से ₹ 125.00 लाख (₹ एक करोड़ पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि संलग्नक के कॉलम-05 में इंगित लेखाशीर्षक की 24-वृहद निर्माण कार्य की संगत मद से तथा ₹ 750.00 लाख (₹ सात करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि को संलग्नक के कॉलम-01 में उल्लिखित मद 47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय मद में व्यय की स्वीकृति देते हुए इसकी बचतों को संलग्न बी0एम0-15 में उल्लिखित विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों में व्यावर्तन द्वारा कुल ₹ 875.00 लाख (₹ आठ करोड़ पचहत्तर लाख मात्र) की धनराशि को चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में राज्य सैक्टर के अन्तर्गत चालू निर्माण कार्यो हेतु व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

3- उक्त शासनादेश को केवल इस सीमा तक संशोधित समझा जाय तथा शासनादेश संख्या-108/VI(1)/2011-02(27)2010, दिनांक 05 फरवरी, 2011 में उल्लिखित शेष सभी शर्तें यथावत रहेंगी।

4- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-997/XXVII(2)/2011, दिनांक 24 मार्च, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(श्याम सिंह)  
अनुसचिव।

कमश-2

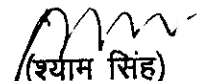
संख्या- 819 /VI(1)/2011-2(27)2010, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल।
- 4- सम्बन्धित जिलाधिकारी।
- 5- सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- मा0 मुख्यमंत्री कार्यालय, घोषणा अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- निजी सचिव-मा0 पर्यटन मंत्री, मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 9- सम्बन्धित जिला पर्यटन विकास अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 10- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 11- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 12- गार्ड फाईल।

संलग्नक-यथोपरि।

आज्ञा से,

  
(श्याम सिंह)  
अनुसचिव।



पुनर्विनियोग का विवरण पत्र 2010-11  
नियंत्रण अधिकारी-निदेशक पर्यटन, उत्तराखण्ड देहरादून।

अनुदान संख्या-26

(धनराशि हजार ₹ में)

बजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण	मानक मदवार अथवावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरकार) धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की सकल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
(क) लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूँजीगत परियोजना-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-04-राज्य सैक्टर-08-47-कम्प्यूटर अनुसंधान/तत्सम्बन्धी स्टेशन्री का कय 575000	-	-	75000	(ख) लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूँजीगत परियोजना-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-04-राज्य सैक्टर-47-निर्माण कार्य चार्ज (1040104 से संबंधित) योजनाये-24-बृहद निर्माण कार्य 75000 (ख)	सकल धनराशि 100000	-	(क) इस लेखाशीर्षक के अन्तर्गत प्राविधान की आवश्यकता नहीं है। (ख) इस लेखाशीर्षक में धनराशि की आवश्यकता है। इसलिए पुनर्विनियोग प्रस्तावित है।
75000 (क)	-	-	75000		75000	100000	-

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट में अनुत्तल के प्रस्तर 150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

उत्तराखण्ड शासन,

वित्त अनुभाग-2

संख्या-997/(1)/XXVII(2)/2011

देहरादून: दिनांक 24 मार्च, 2011

सेवा में,

महालेखाकार,

ओबराय भवन माजरा,

देहरादून।

पुनर्विनियोग स्वीकृत

(शरद चन्द्र पाण्डेय)  
अपर सचिव, वित्त।

संख्या- 819 /VI(1)/2011-2(27)2010 तददिनांक

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1-निदेशक पर्यटन, उत्तराखण्ड देहरादून।

2-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून

3-वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।

आज्ञा से,

(रमेश सिंह)  
अनुसंधान

10

3- उक्त शासनादेश को केवल इस सीमा तक संशोधित समझा जाय तथा शासनादेश